

संपादकीय

कब खुलेगा किसान की खुशहाली का रास्ता

केंद्र सरकार ने किसानों के हित में कुछ अनाजों पर एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया है। सबसे ज्यादा 400 रुपये प्रति क्विंटल मसूर और सरसों पर बढ़ाया गया है। गेहूं पर 40, सूरजमुखी पर 114 और घने पर 130 रुपये बढ़ाये गए हैं। सरकार ने यह फैसला ऐसे समय पर लिया है, जब किसानों ने तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग बुलंद कर दी है। हरियाणा और पंजाब के किसानों को ये बड़ी दरें रास नहीं आ रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों में एमएसपी के औजार से आंदोलन के विस्तार पर अंकुश जरूर लगा दिया है। कोरोना संकट ने आर्थिक उदारीकरण अर्थात् पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की पोल खोल दी है और देश आर्थिक व भोजन के संकट से मुक्त है तो उम्मेद केवल खेती-किसानी का सबसे बड़ा योगदान है। भारत सरकार ने इस स्थिति को समझ लिया है कि बड़े उद्योगों से जुड़े व्यवसाय और व्यापार जबर्दस्त मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। वहीं किसान ने 2019-20 में रिकॉर्ड 29.19 करोड़ टन अनाज पैदा करके देश की ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था को तो तरल बनाए रखा है, साथ ही पूरी आबादी का पेट भरने का इंतजाम भी किया है। 2019-2020 में अनाज का उत्पादन आबादी की जरूरत से 7 करोड़ टन ज्यादा हुआ था। 2020-2021 में भी 350 मिलियन टन अनाज पैदा करके किसान ने देश की अर्थव्यवस्था में ठोस योगदान दिया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में अमर्त्य सेन और अभिजीत बनर्जी सहित थॉमस पिक्लेटी दावा करते रहे हैं कि कोरोना से ठप हुए ग्रामीण भारत पर जबर्दस्त अर्थ-संकट गहराएगा। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण 2017-18 के निष्कर्ष ने भी कहा था कि 2012 से 2018 के बीच एक ग्रामीण का खर्च 1430 रुपये से घटकर 1304 रुपये हो गया है। जबकि इसी समय में एक शहरी का खर्च 2630 रुपये से बढ़कर 3155 रुपये हुआ है। अर्थशास्त्र के सामान्य सिद्धांत में यही परिभाषित है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा में गरीब आदमी को ही सबसे ज्यादा संकट झेलना होता है। लेकिन इस कोरोना संकट में पहली बार देखने में आया है कि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के पैरोकार रहे बड़े और मध्यम उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारी भी न केवल आर्थिक संकट से जुड़ रहे हैं, बल्कि उनके समझ रोजगार का संकट भी पैदा हुआ है। लेकिन बीते दो कोरोना कालों में खेती-किसानी से जुड़ी उपलब्धियों का मूल्यांकन करें तो पता चलता है कि देश को कोरोना संकट से केवल किसान और पशुपालकों ने ही उभारे रखने का काम किया है।

यही नहीं, जो प्रवासी मजदूर ग्रामों की ओर लौटे, उनके लिए सुप्त भोजन की व्यवस्था का काम भी गांव-गांव किसानों व ग्रामीणों ने ही किया। इस दौरान यदि सरकारी महकमों थिकरसा, पुलिस, बैंक और राजस्व को छोड़ दिया जाए तो 70 फीसदी सरकारी कर्मचारी न केवल घरों में बंद रहे, बल्कि मजदूरों के प्रति उनका सेवाभाव भी देखने में नहीं आया। यदि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री राहत कोषों का आकलन करें तो पाएंगे कि इनका आर्थिक योगदान ऊंट के मुंह में जौरे के बराबर रहा है।

कोरोना ने अब हालात को पलट दिया है। इसलिए खेती-किसानी से जुड़े लोगों की गांव में रहते हुए ही आजीवन कैसे चले, इसके पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि की थी। इसी क्रम में 'प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण नीति' लाई गई थी। तब इस योजना को अमल में लाने के लिए अंतरिम बजट में 75,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इसके दायरे में 14.5 करोड़ किसानों को लाभ मिल रहा है। निःसंदेह गांव और कृषि क्षेत्र से जुड़ी जिन योजनाओं की प्रवृत्तला को जमीन पर उतारने के लिए 14.3 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, उसका उपयोग अब सार्थक रूप में होता है तो किसान की आय सही मायने में 2022 तक दोगुनी हो पाएगी। इस हेतु अभी फसलों का उत्पादन बढ़ाने, कृषि की लागत कम करने, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने की भी जरूरत है।

-प्रमोद भार्गव

ढाई साल बाद फिर उड़ान भरेगी जेट एयरवेज, घाटे के चलते बंद हो गई थी एयरलाइन

नई दिल्ली । कर्ज संकट के कारण आसमान से जमीन पर आ चुकी जेट एयरवेज ढाई साल बाद एक बार फिर से उड़ान भरने को तैयार है। कंपनी के नए मैनेजमेंट जालान कालराँक कंसोर्टियम ने उम्मीद जताई है कि 2022 में अप्रैल से जून के बीच जेट एयरवेज फिर से उड़ान भर सकती है। जून में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने जालान कालराँक को मंजूरी दी थी। इस नए कंसोर्टियम ने सोमवार को एक प्रेस बयान जारी किया। इसमें कंपनी ने कहा कि एयर ऑपरेटर



सर्टिफिकेट (एओसी) के साथ उसकी प्रक्रिया जारी है। इस प्रक्रिया में रीवैलिडेशन किया है। जेट 2.0 ऑपरेशन के लिए जालान कालराँक कंसोर्टियम ने केप्टन सुधीर गौर को नियुक्त किया है। सुधीर गौर एक्टिंग सीईओ होंगे। उन्होंने पिछले महीने देश के प्रमुख एयरपोर्ट का दौरा

किया था और वहां की अर्थारिटी के साथ मीटिंग की थी। जालान कालराँक कंसोर्टियम के लीडिंग मंबर मुरारीलाल जालान ने बताया कि हमें जून 2021 में एनसीएलटी की मंजूरी मिली थी। तब से हम सभी संबंधित अर्थारिटी के साथ बात कर रहे हैं। जेट एयरवेज 2.0 का लक्ष्य 2022 में अप्रैल से जून के बीच उड़ान शुरू करने का है। हालांकि उस समय केवल डोमेस्टिक ऑपरेशन ही शुरू होगा। उसके बाद अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन तीसरी

या चौथी तिमाही तक शुरू किया जाएगा। हमारी योजना अगले 3 सालों में 50 एयरक्राफ्ट के साथ ऑपरेशन चलाने की है। जबकि 5 सालों में 100 एयरक्राफ्ट तक ले जाने की योजना है। गौरतलब है कि देश का विमान उद्योग कोरोना महामारी आने के बाद से संकट झेल रहा है। लॉकडाउन के दौरान काफी दिनों तक उड़ानों का संचालन बंद रहा और फिर धीरे-धीरे सीमित संख्या में उड़ानें प्रारंभ की गईं। विदेशी उड़ानों पर भी काफी अंकुश लगने से भी एयरलाइनों का परिचालन प्रभावित हुआ है।

यूस ओपन: नोवाक जोकोविच का सपना तोड़ दानिल मेदवेदेव बने चैंपियन, पहला ग्रैंड स्लैम किया अपने नाम

न्यूयॉर्क। वर्ल्ड नंबर 2 रूस के दानिल मेदवेदेव यूएस ओपन के नए चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने फाइनल मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 1 सर्बिया को नोवाक जोकोविच को 2 घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में हराया। इसी के साथ जोकोविच के कैलेंडर ग्रैंड स्लैम का सपना टूट गया। जोकोविच ने साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब जीता था। मेदवेदेव ने जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर यूएस ओपन जीतने के सपने को तोड़ दिया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'डेनियल को बधाई, उन्होंने कहा, अगर कोई है जो इस समय ग्रैंड स्लैम खिताब का हकदार है तो

वो आप हैं। 2019 यूएस ओपन के रनरअप रहे मेदवेदेव ने अपने तीसरे स्लैम फाइनल में पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है। अगर नोवाक जोकोविच खिताब जीत जाते तो यह उनका 21वां ग्रैंडस्लैम होता। वह अभी 20 ग्रैंडस्लैम खिताब के साथ रोजर फेडरर और राफेल नडाल की बराबरी पर हैं। रूस के 25 साल के मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में कनाडा के 12वें वरीय फेलिक्स ऑंगर एलियासिमे को 6-4 7-5 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वह इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जोकोविच से हारे थे और 2019 अमेरिकी ओपन फाइनल में उन्हें नडाल ने हराया था।

आर्यावर्त स्पोर्ट्स अकादमी को मात देकर हरियाणा बना चैंपियन

लखनऊ। पिछले संस्करण की उपविजेता हरियाणा ने बेहतर रणनीति के सहारे शानदार प्रदर्शन करते हुए 44वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हेण्डबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में गत चैंपियन आर्यावर्त स्पोर्ट्स अकादमी को 36-26 गोल से मात देकर पिछली हार की कसक पूरी करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। उत्तर प्रदेश हेण्डबॉल एसोसिएशन व जिला खेल विकास व प्रोत्साहन समिति के तत्वावधान में केडी सिंह बाबू

स्टेडियम में संपन्न इस चैंपियनशिप का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया था। आज खेले गए फाइनल मुकाबले में दोनों ही टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। हालांकि हरियाणा बेहतर रणनीति व टीम काम्बिनेशन के साथ आला दर्जे के डिफेंस के सहारे प्रतिद्वंद्वी टीम पर हावी रही। एक-एक गोल के लिए चले करीबी मुकाबले में हरियाणा मध्यांतर तक 16-13 से

इंफोसिस, माइक्रोसॉफ्ट ने ऑसग्रीड के साथ बहुवर्षीय समझौता किया

नई दिल्ली। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंफोसिस और माइक्रोसॉफ्ट ने ऑस्ट्रेलिया की विद्युत वितरक कंपनी ऑसग्रीड के क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने के लिए उसके साथ बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन का मतलब क्लाउड कंप्यूटिंग समाधानों की तरफ बढ़ना है। क्लाउड कंप्यूटिंग एक प्रणाली है जिसके तहत कंपनियां इंटरनेट से जुड़े ऑफ-साइट (अपने कार्यस्थल से दूर) डेटा सेंटर के जरिए स्टोरेज या डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म जैसी सेवाएं पा सकती हैं। इंफोसिस ने सोमवार को एक



नियामकीय सूचना में कहा कि यह कार्यक्रम वहनीयता, विश्वसनीयता और स्थिरता पर ध्यान देते हुए समुदायों को जोड़ने और जीवन को सशक्त बनाने के लिए ऑसग्रीड के टूटिकोण को आगे बढ़ाएगा। ऑसग्रीड के कार्यवाहक मुख्य

सूचना अधिकारी (सीआईओ) निक क्रो ने कहा, 40 लाख से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई हर दिन हमारी सेवाओं पर निर्भर करते हैं, इसलिए जरूरी है कि हम विश्वसनीयता और संपर्क के अपने ऊंचे मानक को बनाए रखें, साथ ही ऑस्ट्रेलियाई समुदायों को

अपेक्षाओं को पूरा करें। उन्होंने कहा कि इंफोसिस और माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी में क्लाउड समाधानों की सरफ बढ़ने की गति को तेज करने से ऑसग्रीड को नेटवर्क की विश्वसनीयता में सुधार करने, नयी सेवाओं को गति और लागत प्रभावी तरीके से बाजार में लाने में मदद मिलेगी। इंफोसिस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और ग्लोबल इंडस्ट्री लीडर (संचार, मीडिया एवं प्रौद्योगिकी) आनंद स्वामीनाथन ने कहा कि ऑसग्रीड के साथ इस सहयोग से कंपनी को इंफोसिस की उपयोगिता उद्योग की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।

विस्फोट से बॉलीवुड में वापसी करेंगे फरदीन खान

फरदीन खान को बॉलीवुड में किसी परिचय की जरूरत नहीं है। उन्होंने कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। फरदीन को लंबे समय से बॉलीवुड के पर्दे पर नहीं देखा गया है। उन्हें आखिरी बार 2010 में रिलीज हुई फिल्म दूरहा मिल गया में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। अब जानकारी सामने आ रही है कि वह संजय गुप्ता की फिल्म विस्फोट से बॉलीवुड में अपनी वापसी करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्ममेकर संजय की अगली



फिल्म विस्फोट से बॉलीवुड की फिल्मों में फरदीन वापसी करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि फरदीन ने यह फिल्म साइन कर ली है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में मशहूर अभिनेता रितेश देशमुख भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाने वाले हैं। फिल्म का शीर्षक विस्फोट रखा गया है, जिसमें

फरदीन टैक्सी ड्राइवर और एक पूर्व ड्रग डीलर की भूमिका में नजर आएंगे। रितेश फिल्म में एक कर्मस्थल एयरलाइन पायलट की भूमिका को अदा करते हुए दिखेंगे। कहा जा रहा है कि यह फिल्म फरदीन के कैरेक्टर के इर्दगिर्द घूमती है, जो गलती से रितेश के बेटे का अहपरण कर लेता है। विस्फोट एक अकेडेमी अवॉर्ड नॉमिनेटेड विदेशी भाषा की फिल्म की हिन्दी रीमेक होगी। संजय पिछले तीन साल से इस फिल्म को बनाने की योजना बना रहे हैं।

विक्रम गोखले के साथ काम करना स्कूल जाने जैसा : रूपाली सूरी

युवा अभिनेत्री रूपाली सूरी ने हाल ही में दिग्गज अभिनेता विक्रम गोखले के साथ एक लघु फिल्म की शूटिंग पूरी की है। अभिनेत्री ने कहा कि शुरू में दबाव था, लेकिन आरिखरकार उन्होंने दिग्गज अभिनेता से बहुत कुछ सीखा। रूपाली ने कहा, उनके (गोखले) के साथ काम करना अपने आप में एक दबाव है। जब वह बोलते हैं, तो आप जानते हैं कि वह किस तरह का ध्यान आकर्षित करते हैं, क्योंकि लोग उन्हें सुनते हैं। सबसे ऊपर, विक्रम



सर बहुत सीधे-सादे हैं और अक्सर कहते हैं कि वह मुझसे भी बहुत कुछ सीखा है! यह एक स्कूल की तरह था। मैंने अभिनय और फिल्म निर्माण के दिग्गजों के सामने खुद को आत्मसमर्पण कर दिया। लघु फिल्म को पकियों के बीच दर्शकों के लिए एक संदेश के साथ एक मजाकिया बताया गया है।

स्पाइसजेट ने बोइंग 737 मैक्स के पेटादाता सीडीबी एविएशन के साथ समझौता किया



नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने सोमवार को कहा कि उसने बोइंग 737 मैक्स विमान के प्रमुख पेटादाता सीडीबी एविएशन के साथ समझौता किया है। इससे पहले एयरलाइन ने 26 अगस्त को कहा था कि वह इस विमान के एक दूसरे प्रमुख पेटादाता एवर्लॉन के साथ समझौता करने पर सहमत हो गयी है। बजट एयरलाइन ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसे सितंबर 2021 के अंत में बोइंग 737 मैक्स विमान का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। संचालन के लिए वह नियामक मंजूरी का इंतजार कर रही है। भारत के विमानन नियामक नागरिक उड्डयन निदेशालय (डीजीसीए) ने गत 26 अगस्त को लगाभग ढाई साल के बाद बोइंग 737 मैक्स विमानों के

वाणिज्यिक उड़ान संचालन पर लगा प्रतिबंध हटा दिया। 10 मार्च, 2019 को अदीस अबाबा के पास इथोपियन एयरलाइंस के 737 मैक्स विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद 13 मार्च को डीजीसीए ने भारत में सभी बोइंग 737 मैक्स विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी थी। विमान हादसे में चार भारतीयों सहित 157 लोग मारे गए थे। इस समय भारत में केवल स्पाइसजेट एयरलाइन के बेड़े में बोइंग 737 मैक्स विमान हैं। एयरलाइन ने सोमवार को कहा कि उसकी सीडीबी एविएशन के साथ एक समझौते को लेकर व्यावसायिक सहमति बन गयी है तथा यह एवर्लॉन के साथ पहले से घोषित समझौते के बाद एक और समझौता है एवं इससे 737 मैक्स विमानों के उसके बेड़े में वृद्धि होगी।

आज का राशिफल

मेष :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ के योग रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा और नौकरी में तरक्की की संभावना रहेगी। वृश्चि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। मिथुन :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से मन प्रफुल्लित रहेगा और बड़ उर्जा के साथ काम करेंगे, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। कर्क :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धनलाभ के योग भी बन रहे हैं। सिंह :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके अनुकूल वातावरण रहेगा और कार्यों में सफलता मिलने से धनलाभ की स्थिति रहेगी। कन्या :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं। हालांकि, कुछ कार्यों में सफलता मिलेगी। तुला :- आपके लिए आज का दिन शुभ है। आर्थिक लाभ के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और माहौल आपके अनुकूल रहेगा। वृश्चि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यभार की अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में बीतेगा। धनु :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता मिलेगा। मकर :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। कुम्भ :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों के लिए समय अच्छा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। मीन :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी।

टेस्टी डेजर्ट संतरा खा मालपुआ

डेजर्ट के नाम पर आइसक्रीम, गुलाब जामुन के अलावा एक और डिश है जिसका नाम सुनते ही आपके मुंह में पानी आ जाएगा। तो आइए जानते हैं इस टेस्टी डेजर्ट को बनाने की रेसिपी।



सामग्री :
संतरे का रस- 10 बड़े टीस्पून, सूजी- 5 बड़े टीस्पून, चीनी- 1/2 कप, मैदा- 5 बड़े टीस्पून, रबड़ी- 3/4 कप, दूध- 1/4 कप, दही- 2 बड़े टीस्पून, घी- डीप फ्राई करने के लिए
विधि :
सबसे पहले चीनी और 2 बड़े टेबलस्पून पानी मिलाकर एक तार की चाशनी बना लें। फिर इसमें 5 बड़े टेबलस्पून संतरे का रस डालें और अच्छी तरह मिक्स कर लें और दो से तीन मिनट तक धीमी आंच पर पका लें। अब एक बाउल में मैदा, सूजी, संतरे का रस और

रबड़ी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर इसमें दूध डालकर अच्छे से फेंट लें। फिर इसमें दही डालें और अच्छे से फेंटकर स्मूथ बैटर बना लें। ध्यान रखें कि बैटर बहुत ज्यादा पतला न हो। अब एक नॉन-स्टिक पैन में घी गर्म करें। जब घी अच्छे से गर्म हो जाए, तब इसमें एक टीस्पून बैटर डालें और थोड़ा सा फैला दें और मीडियम आंच पर दोनों ओर से गोल्डन ब्राउन होने तक पुए को सेंक लें। इसी तरह बैटर से और पुए बना लें। अब पुओं को चाशनी में डिप करके रबड़ी के साथ गरमागरम सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 200

बाएं से दाएं
1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. 1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 4. 3. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, बाधा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. 5. उपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, वायु, पवन 16. निवास करना, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और 13. 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

उपर से नीचे
1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 4. 3. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 199 का हल

पं	क्ति	स्वा	द	स	ब	ब	
जा	सु	हा	ना	ली	द		
ब	हु	धा	द	ल	ना	ल	
	क	मा	न	ग	ह	ना	
भं	व	र		वा	म		
गी	त	म	ज	बू	र	ट	
	न	म	स्का	र		र	
	यां		वी		ना	का	
सं	वि	दा	ब	स	च	ल	ना

सू-दोक्- 200

7				1		3
1	9			5		
		3				1
		5				3
						5
4						7
7	8			1	6	
	6	7		9		1

नियम
1. कुल 81 वर्ण हैं, जिसमें 9 वर्णों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ण में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कालार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6